

राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर पीठ जयपुर

आदेश

एकलपीठ दण्डिक पुनरीक्षण याचिका संख्या-519/1999

श्रीमती रामकन्या व अन्य बनाम राजस्थान राज्य व अन्य

दिनांक-23.11.2007

माननीय न्यायाधिपति श्री जितेन्द्र राय गोयल

श्री पी एस शर्मा, अधिवक्ता-निगरानीकारान् की ओर से
श्री एस एन गुप्ता, विद्वान लोक अभियोजक वास्ते राज्य

--

श्रीमती राम कन्या व अन्य की ओर से यह निगरानी याचिका अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-2, जयपुर जिला-जयपुर के द्वारा पारित आक्षेपित आदेश दिनांक 1.5.99 से व्यथित होकर प्रस्तुत की गयी है, जिसके द्वारा परिवादिया के चार्ज से पूर्व साक्ष्य हेतु उपस्थित नहीं होने के कारण अभियुक्त को धारा 465 भारतीय दण्ड संहिता के आरोप से उन्मोचित किया गया है।

हमने विद्वान अधिवक्ता निगरानीकारान् को इस निगरानी याचिका के ग्रहणार्थ के बिन्दू पर सुना व पत्रावली का अवलोकन किया।

इस सम्बन्ध में कोई विवाद नहीं है कि परिवादिया को अवसर दिये जाने के बाद भी वह चार्ज से पूर्व साक्ष्य हेतु उपस्थित नहीं हुई, जिसके कारण परिवाद खारिज किया गया है, जिसमें कोई विधि विरुद्धता एवं अनुचितता परिलक्षित नहीं हो रही है।

फलस्वरूप निगरानीकारान् द्वारा प्रस्तुत यह निगरानी याचिका सारहीन होने व ग्रहण किये जाने योग्य नहीं होने के कारण इसे इसी प्रक्रम पर निरस्त किया जाता है।

(न्या० जितेन्द्र राय गोयल)